12. बनवारी, गिरधारी तथा मुरारी एक फर्म के साझेदार हैं तथा 4 : 5 : 6 के अनुपात में लाभ-हानि बाँटते हैं । 31 मार्च, 2014 को गिरधारी ने अवकाश ग्रहण किया । इस तिथि को बनवारी, गिरधारी तथा मुरारी की पूँजी सभी आवश्यक समायोजनों से पूर्व क्रमशः ₹ 2,00,000, ₹ 1,00,000 तथा ₹ 50,000 थीं । गिरधारी के अवकाश ग्रहण करने पर फर्म की ख्याति का मूल्य ₹ 1,14,000 आंका गया । परिसम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन एवं देयताओं के पुनर्निर्धारण का परिणाम ₹ 6,000 का लाभ था । फर्म की पुस्तकों में सामान्य संचय ₹ 30,000 का था ।

गिरधारी को देय राशि उसके ऋण खाते में हस्तान्तरित कर दी गई । बनवारी तथा मुरारी, गिरधारी को ₹ 75,000 प्रति वर्ष की दो वार्षिक किस्तों में जिसमें प्रथम दो वर्षों की बकाया शेष राशि पर 10% वार्षिक ब्याज सम्मिलित होगा, तथा शेष राशि का भुगतान ब्याज सहित तीसरे वर्ष करने को सहमत हुए । फर्म प्रति वर्ष अपनी पुस्तकें 31 मार्च को बन्द करती है । कार्यकारी टिप्पणियों को स्पष्ट रूप से दर्शाते हुए गिरधारी का ऋण खाता तैयार कीजिए जब तक उसका पूर्ण भुगतान हो ।

Banwari, Girdhari and Murari are partners in a firm sharing profits and losses in the ratio of 4 : 5 : 6. On 31st March, 2014, Girdhari retired. On that date the capitals of Banwari, Girdhari and Murari before the necessary adjustments stood at ₹ 2,00,000, ₹ 1,00,000 and ₹ 50,000 respectively. On Girdhari's retirement, goodwill of the firm was valued at ₹ 1,14,000. Revaluation of assets and re-assessment of liabilities resulted in a profit of ₹ 6,000. General Reserve stood in the books of the firm at ₹ 30,000.

The amount payable to Girdhari was transferred to his loan account. Banwari and Murari agreed to pay Girdhari two yearly instalments of ₹ 75,000 each including interest @ 10% p.a. on the outstanding balance during the first two years and the balance including interest in the third year. The firm closes its books on 31st March every year.

Prepare Girdhari's loan account till it is finally paid showing the working notes clearly.

Scanned by CamScanner